Economics - Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Diploma		**Class:** B.A. II Year	**Session:**2022-23
Subject: Economics			
1	**Course Code**	A2-ECON2T	
2	**Course Title**	MONEY, BANKING AND PUBLIC FINANCE (Paper 2)	
3	**Course Type Major / Minor/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)**	Major-2/Minor/Elective	
4	**Pre-requisite (if any)**	Certificate Course with Economics as Major/Minor/Elective subject	
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	Students successfully completing this course will have the ability to • Explain the quantity theory of money, determinants of money supply, the process of credit creation, credit control and other functions of commercial banks and central bank. • Understand the issues like the role of the state, provision of public goods, optimal design of tax and economic policies. • Describe the role of public expenditure and effects of taxation and and public debt in developing country.	
6	**Credit Value**	06	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks: 33

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 03 hours		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	**Money:** 1. Money - Defination, Functions and Classification 2. Importance of Money 3. Value of Money and Quantitative Theory of Money – Cash Transaction Approach, Cash Balance Approach and Keynesian Approach 4. Quantitative Theory of Milton Freidman 5. Main Components of Money Supply, High Powered Money, Concept of Money Multiplier, Factors Affecting Money Supply, Plastic Money	**18**
II	**Banking:** 1. Bank- Defination and Types 2. Functions of Commercial Banks 3. Process of Credit Creation by Commercial Banks 4. Introduction of Internet Banking and Retail Banking 5. Meaning and Importance of Central Bank 6. Functions of Central Bank 7. Credit Control by Central Bank- Quantitative and Qualitative Methods	**18**

III	Introduction of Public Finance: 1. Public Finance – Meaning, Nature and Scope 2. Distinction between Private and Public Finance 3. Public Goods, Private Goods and Merit Goods 4. Market Failures and Role of State 5. Principle of Maximum Social Advantage 6. Public Expenditure- Meaning and Classification 7. Principles of Public Expenditure- Wagner Hypothesis, Peacock and Wiseman Approach 8. Causes and Effects of Increasing Public Expenditure 9. Public Expenditure in India 10. Prices and Taxes. Shanti Parv of – Book. XII of Mahabharat. 11. Concept of Public Goods and Taxes as per Kautilya.	**18**
IV	**Public Revenue:** 1. Sources of Public Revenue 2. Taxation – Meaning, Canons and Classification of Taxes 3. Impact, Incidence of Taxes and Tax Shifting 4. GST-An Introduction 5. Taxable Capacity in India 6. Effects of Taxation 7. Characteristics of Indian Tax Structure	**18**
V	**Public Debt and Financial Administration:** 1. Public Debt- Meaning, Type and Sources 2. Effects of Public Debt 3. Methods of Public Debt Redemption 4. Public Debt in India 5. Deficit Financing 6. Federal Finance in India 7. Recomandations of Latest Finance Commission in India 8. Latest Budget of Centre and State 9. Grasp of Economic Policies of Statehood. Sabha Parv of Book II	**18**

Keywords/Tags: Defination of Money, Quantitative Theory of Money, Cash Transaction Approach, Cash Balance Approach, Money Supply, Plastic Money, Credit Creation, Internet Banking, Retail Banking, Credit Control, Repo rate, Public Goods, Merit Goods, Private Goods, Maximum Social Advantage, Classification of Taxes, Incidence of Tax, Tax Shifting, Public Debt, Finance Commission.

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

I. Suggested Readings:

1. Mithani D.M.- Money, Banking and Public Finance, Himalaya Publishing House, Mumbai
2. Vaish M.C.- Money Banking Trade and Public Finance, New Age International, New Delhi
3. Singh A.K.-Finance Budget in India, Gyan Books, New Delhi
4. Hajela T.N.- Money, Banking and Public Finance, ANE Books, New Delhi

5. सेठ एम.एल- मुद्रा एवं बैंकिंग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
6. सेठी टी.टी.- मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
7. सिन्हा वी.सी.- मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा
8. गुप्ता के.एल.- मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

Suggestive Digital Platform : https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11

Suggested equivalent online courses:

https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104076/

https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104071

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30		Total:30
External Assessment : University Exam Section: 70		Total :70

Any Remarks/ Suggestions:

अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

<table>
<tr><td colspan="4">भाग अ - परिचय</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम: डिप्लोमा</td><td>कक्षा: बी.ए. द्वितीय वर्ष</td><td>सत्र: 2022-23</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय: अर्थशास्त्र</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="2">A2-ECON2T</td></tr>
<tr><td>2</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="2">मुद्रा बैंकिंग एवं लोकवित्त (प्रश्न पत्र 2)</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार :
(मुख्य/गौण/वैकल्पिक/सामान्य वैकल्पिक/व्यावसायिक/.......)</td><td colspan="2">मुख्य-2/गौण/वैकल्पिक
(मेजर-2/माइनर/इलेक्टिव)</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्वापेक्षा (Prerequisite)
(यदि कोई हो)</td><td colspan="2">मुख्य/गौण/वैकल्पिक विषय अर्थशास्त्र के साथ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)</td><td colspan="2">इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थियों में यह योग्यता होगी कि वे
• मुद्रा के परिमाण सिद्धांत, मुद्रापूर्ति के निर्धारक तत्व, साख निर्माण की प्रक्रिया, साख नियंत्रण और व्यापारिक बैंकों एवं केंद्रीय बैंक के कार्यों की व्याख्या कर सकेंगे ।
• सरकार की भूमिका, सार्वजनिक वस्तुओं के लिए प्रावधान, कर के अनुकूलतम ढांचे एवं आर्थिक नीतियों के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे ।
• विकासशील देशों में सार्वजनिक व्यय, कराधान के प्रभावों और सार्वजनिक ऋण की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे ।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="2">6+ 0 = 6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुल अंक</td><td>अधिकतम अंक: 30+70</td><td>न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33</td></tr>
<tr><td colspan="4">भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु</td></tr>
<tr><td colspan="4">व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 03 घंटे</td></tr>
</table>

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	**मुद्रा :** 1. मुद्रा- परिभाषा, कार्य एवं वर्गीकरण 2. मुद्रा का महत्व 3. मुद्रा का मूल्य एवं मुद्रा का परिमाण सिद्धांत - नकद लेनदेन दृष्टिकोण, नकद शेष दृष्टिकोण एवं कीन्स का दृष्टिकोण 4. मिल्टन फ्रीडमैन का परिमाण सिद्धांत 5. मुद्रापूर्ति के मुख्य घटक, उच्च शक्ति मुद्रा, मुद्रा गुणक की अवधारणा, मुद्रा पूर्ति को प्रभावित करने वाले तत्व, प्लास्टिक मुद्रा	18
II	**बैंकिंग:** 1. बैंक- परिभाषा एवं प्रकार 2. व्यापारिक बैंकों के कार्य	18

	3. व्यापारिक बैंकों द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया 4. इंटरनेट बैंकिंग एवं खुदरा बैंकिंग का परिचय 5. केंद्रीय बैंक का अर्थ एवं महत्व 6. केंद्रीय बैंक के कार्य 7. केंद्रीय बैंक द्वारा साख नियंत्रण- गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विधियां	
III	**लोक वित्त का परिचय :** 1. लोक वित्त- अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. लोक वित्त एवं निजी वित्त में अंतर 3. सार्वजनिक वस्तुएँ, निजी वस्तुएँ एवं उत्कृष्ट वस्तुएँ 4. बाजार की असफलता एवं राज्य की भूमिका 5. अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत 6. सार्वजनिक व्यय का अर्थ एवं वर्गीकरण 7. सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत- वैगनेर की परिकल्पना, पीकॉक एवं वाइजमैन की अवधारणा 8. बढ़ते सार्वजनिक व्यय के कारण एवं प्रभाव 9. भारत में सार्वजनिक व्यय 10. मूल्य और कर- शांति पर्व – महाभारत पुस्तक – XII 11. कौटिल्य के अनुसार सार्वजनिक वस्तुओं और करों की अवधारणा।	**18**
IV	**सार्वजनिक आय:** 1. सार्वजनिक आय के स्रोत 2. कराधान - अर्थ, सिद्धांत और करों का वर्गीकरण 3. करापात, कराघात एवं कर विवर्तन 4. वस्तु एवं सेवा कर(GST) का सामान्य परिचय 5. भारत में करदान क्षमता 6. करारोपण के प्रभाव 7. भारतीय कर ढांचे की विशेषताएं	**18**
V	**सार्वजनिक ऋण एवं वित्तीय प्रशासन:** 1. सार्वजनिक ऋण- अर्थ, प्रकार एवं स्रोत 2. सार्वजनिक ऋण के प्रभाव 3. सार्वजनिक ऋण शोधन की विधियाँ 4. भारत में सार्वजनिक ऋण 5. घाटे की वित्त व्यवस्था 6. भारत में संघीय वित्त 7. नवीनतम वित्त आयोग की अनुशंसाए 8. केंद्र एवं राज्य के नवीन बजट 9. राज्य की आर्थिक नीतियों की समझ. पुस्तक II का सभा पर्व	**18**

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: मुद्रा की परिभाषा, मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, नकद लेनदेन दृष्टिकोण, नकद शेष दृष्टिकोण, मुद्रा की पूर्ति, प्लास्टिक मुद्रा, साख निर्माण, इंटरनेट बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग, साख नियंत्रण, रेपो रेट, सार्वजनिक वस्तुएं, मेरिट वस्तुएं, निजी वस्तुएं, अधिकतम सामाजिक लाभ, करों का वर्गीकरण,करापात, कराघात, कर विवर्तन, सार्वजनिक ऋण, वित्त आयोग
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
1. सेठ एम.एल.- मुद्रा एवं बैंकिंग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा 2. सेठी टी.टी.- मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा 3. सिन्हा वी.सी. - मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, **S.B.P.D.**पब्लिकेशन, आगरा 4. गुप्ता के.एल. - मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 5. Mithani D.M.- Money, Banking and Public Finance, Himalaya Publishing House, Mumbai. 6. Vaish M.C.- Money Banking Trade and Public Finance, New Age International, New Delhi. 7. Singh A.K.- Finance Budget in India, Gyan Books, New Delhi. 8. Hajela T.N. - Money, Banking and Public Finance, ANE Books, New Delhi.
डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक: https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104076/ https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104071
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):		**कुल अंक** :30
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:**		**कुल अंक** 70

कोई टिप्पणी/सुझाव: